IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 5, Issue 1, July 2025

Impact Factor: 7.67

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का प्रदेश के सुशासन में न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण में योगदान

मंजू बैरहा

सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग,

वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय कन्या महाविद्यालय तखतपुर, बिलासपुर (छत्तीसगढ), भारत 495330

Corresponding Author Email ID: *Manjubaraiha51@gmail.com*

शोध सारांश

यह शोध पत्र छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रारंभ की गई महतारी वंदन योजना का गहन विश्लेषण करता है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और कल्याण को बढ़ावा देना है। यह योजना प्रत्येक पात्र विवाहित महिला को प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार, निर्णय लेने की शक्ति में वृद्धि और सामाजिक–आर्थिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिलता है। यह शोध पत्र महतारी वंदन योजना के विभिन्न आयामों की पड़ताल करता है, जिसमें इसके उद्देश्य, कार्यान्वयन की प्रक्रिया, लाभार्थियों पर इसका प्रभाव और विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में सुशासन के संदर्भ में इसके योगदान का मूल्यांकन शामिल है। अध्ययन में पाया गया है कि यह योजना न केवल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है बल्कि लैंगिक समानता को भी प्रोत्साहित करती है, जिससे महिलाओं को सशक्त बनाकर एक अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज का निर्माण होता है। इसके अतिरिक्त, यह योजना शासन की पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा वितरण की दक्षता को भी बढ़ाती है, जो सुशासन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इस शोध में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरह के डेटा का विश्लेषण किया गया है, जिसमें योजना के दिशानिर्देशों, सरकारी रिपोर्टों और योजना के संभावित प्रभावों पर विशेषज्ञों के विचारों का भी समावेश है।

मुख्य शब्द महतारी वंदन योजना, महिला सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन, सुशासन, छत्तीसगढ़, सामाजिक कल्याण।